प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 12 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 फरवरी, 2019 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

प्रदेश के विकास में खुली सोच से काम करेगी सरकार: अशोक गहलोत

सचिवालय कर्मचारी संघ की ओर से गणतंत्र दिवस मनाया

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के विकास

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत झण्डारोहण करते। साथ में मुख्य सचिव डी.बी. गुप्ता, सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार धावनिया।

में खुले मन और खुली सोच के साथ काम करेगी। जनहित में की गई स्वस्थ आलोचना को भी हम खुले दिल से स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य कर्मचारी सरकार का अभिन्न अंग हैं और उनकी देश एवं प्रदेश के विकास में अहम भूमिका है। राज्य सरकार कर्मचारियों के कल्याण का ध्यान रखेगी। मुख्यमंत्री राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर सचिवालय में आयोजित समारोह में ध्वजारोहण के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। श्री गहलोत ने कहा कि यह पर्व संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमें इस अवसर पर संकल्प लेना चाहिए कि हम हमारी लोकतांत्रिक परम्पराओं को और समृद्ध बनाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी देश घृणा, नफरत और अविश्वास से नहीं चल सकता। देश प्यार, मोहब्बत और भाईचारे से ही चल सकता है। हर नागरिक में यह भावना रहनी चाहिए कि हमारा देश एक रहे, अखण्ड रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमारा देश आजाद हुआ तब यहां सुई भी बाहर से आती थी। न बिजली थी, न ही कम्प्यूटर और न इंटरनेट। विज्ञान के क्षेत्र में हम बहुत पिछड़े हुए थे। लेकिन आज हमारा देश विकास के जिस मुकाम पर खड़ा है वह हमारे महान नेताओं के योगदान से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 20 साल पहले मैंने सरकार बनने के तुरंत बाद पहली बार चुनावी घोषणापत्र को कैबिनेट से अनुमोदित करवाकर उसे नीतिगत सरकारी दस्तावेज का रूप दिया। हमारे इस प्रयोग ने ही देश में चुनावी घोषणा पत्रों की विश्वसनीयता बढ़ाई और चुनावी वादों पर बेहतर ढंग से अमल होने लगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लिपिक ग्रेड द्वितीय भर्ती परीक्षा-2011 में चयनित जिन 216 कार्मिकों का नियमितीकरण नहीं हो सका है, उनके नियमितीकरण की कार्यवाही शीघ्र की जाएगी। उन्होंने कहा कि 88 मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति के प्रकरणों में टंकण परीक्षा एवं आयु सीमा में शिथिलता दी जाएगी।

शासन सचिववालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के प्रदेशाध्यक्ष महेश धावनिया व तह. अध्यक्ष कविराज रामलाल को सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज धावनिया व महामंत्री आबिद हसन भाटी द्वारा समारोह में पधारने पर गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते।

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार धावनिया द्वारा गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते।

मुख्य सचिव श्री डी.बी. गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास करेगी। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण एवं मनोयोग के साथ कार्य करते हुए प्रदेश के विकास में योगदान दें। सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री पंकज कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। इस अवसर पर कर्मचारियों एवं लोक-कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी।

6 माह में खड्डामुक्त होंगी जयपुर शहर की सड़कें: खाचरियावास

जयपुर। परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास कहा है कि आगामी छह माह में शहर की सड़कों को खड्डा मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऐसे स्थान जहां बरसात का पानी भरता है उन स्थानों पर सीमेंट की सीसी रोड बनाई जाएगी। बरसाती पानी भरने वाले ऐसे स्थानों को चिन्हित कर मानसून से पहले बरसाती पानी निकासी की नालियों का निर्माण करवाया जाएगा। यह जानकारी खाचरियावास रविवार को वार्ड-22 की नवल बाल्मीकि बस्ती हसनपुरा में सीमेंट की सीसी रोड बनाने के शुभारंभ के अवसर पर दी।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 फरवरी को

जयपुर। न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 फरवरी, 2019 बसंत पंचमी को होने जा रहा है ऐसे परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ हैं वह अपनी मर्जी से बेटी का रिश्ता करने के बाद निचे दिए गए हैं नंबर पर सम्पर्क करे शादी पुरा खर्च न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से किए जायेगा व हर लाडली बेटी का नया जीवन शुरू करने के लिए संस्थान की ओर से विषेश उपहार में 50 वर्ग गज भूमि व 1 लाख रुपए मुल्य करिब का घर उपयोगी सामान उपवार स्वरूप दिया जायेगा। कार्यलय : फोर्थ फ्लोर 403 पुष्प एन्क्लेव 8 सेक्टर के सामने प्रताप नगर टोंक रोड जयपुर राजस्थान।

मो.: 8107877778

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से तृतीय बैरवा युवक-युवति परिचय स्मारिका का विमोचन समारोह सम्पन्न

युवा दिलों की धड़कन प्रा.बै.प्र. संस्था के मुख्य संरक्षक प्रशान्त बैरवा का निवाई विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाने पर जयपुर में भव्य स्वागत किया

समारोह में भारी तादाद में लोगों ने की शिरकत

समारोह में स्मारिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि विधायक प्रशान्त बैरवा, बैरवा छात्रावास के अध्यक्ष दीपचन्द बैरवा, संस्था अध्यक्ष महेश धावनिया, संरक्षक महेन्द्र कुमार बैरवा, सी.एल. वर्मा आई.आर.ए.एस., कविराज रामलाल बैरवा तह. अध्यक्ष, रामस्वरूप बैरवा अधिक्षण अभियन्ता, केसरीलाल बैरवा जिलाध्यक्ष बांरा एवं अन्य पदाधिकारी गण।

जयपुर। प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था जयपुर (राज.) के तत्वावधान में संस्था की ओर से तृतीय बैरवा युवक-युवति परिचय स्मारिका का विमोचन 12 जनवरी, 2019 को कृष्णा पैराडाईज गार्डन, कुम्भा मार्ग, टोंक रोड़, जयपुर पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्री प्रशान्त बैरवा को निवाई विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाने पर बैरवा समाज की ओर से नागरिक अभिनन्दन किया गया।

तृतीय बैरवा युवक-युवति परिचय स्मारिका विमोचन समारोह में आमजन को सम्बोधित करते संस्था के संरक्षक श्री प्रशान्त बैरवा विधायक निवाई।

संस्था के महामंत्री राजेश कुमार शास्त्री एडवोकेट ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रशान्त बैरवा विधायक निवाई (शेष पृष्ठ 2 पर)

मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, राजस्थान का शिष्टमंडल मास्टर भंवरलाल मेघवाल सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री के नेतृत्व में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिला। शिष्टमंडल ने गत अप्रैल को भारत बंद के दौरान अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के विरुद्ध दर्ज मुकदमों को वापिस लेने एवं कार्मिक विभाग द्वारा जारी पदोन्नति केच-अप रूल (शेष पृष्ठ 2 पर)

समर्पण संस्था द्वारा जाति, धर्म व राष्ट्रवाद पर विचार गोष्ठी आयोजित

जयपुर। राष्ट्रवादी विचारधारा धर्म व जाति से ऊपर होती है। प्रत्येक भारतीय राष्ट्रवादी है और राष्ट्र प्रेम प्रत्येक नागरिक का धर्म है। ये विचार सेवानिवृत्त आईएएस राम लुभाया ने समर्पण संस्था द्वारा आयोजित (शेष पृष्ठ 3 पर)

सम्पादकीय

लोक-लुभावन बजट

वित्त मंत्री अरुण जेटली की अनुपस्थिति में पीयूष गोयल द्वारा प्रस्तुत बजट को आप अंतरिम कहें या पूर्ण इसका लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है। चुनाव के मद्देनजर समाज के सभी समूहों के हिस्से कुछ-न-कुछ दिया जाना और भारत के भविष्य का ध्यान रखते हुए प्रगति की व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत करना। इस बजट में एक भी सख्त कदम नहीं होना, चुनावी आवश्यकता का परिचायक है। यह सिर्फ अंतरिम बजट नहीं, देश के विकास यात्रा का माध्यम है, देश को विास दिलाने का प्रयास कि हम भारत को विश्व का अग्रणी देश बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कुल 27 लाख 84 लाख 200 करोड़ के बजट में किसान, पशुपालक, हर वर्ग के कामगार, कारोबारी, युवा, महिला, बुजुर्ग आदि सभी के लिए कुछ है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना द्वारा 2 हेक्टेयर जोत वाले किसानों के खाते में हर वर्ष छह हजार करोड़ रुपये डालना, कामधेनु आयोग द्वारा गोपालन को प्रोत्साहन, पशपालकों एवं मछली व्यापार में लगे लोगों को किसान मानकर उनको भी किसान क्रेडिट कार्ड से कर्ज एवं ब्याज में छूट, असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए श्रमयोगी मानधन योजना द्वारा पेंशन की व्यवस्था लागू करना ऐसे कदम है, जिन्हें हम चुनावी कह सकते हैं, पर समाज की निचली पंक्ति को सामाजिक सुरक्षा देने की दृष्टि से अत्यावश्यक था। 5 लाख तक की आय को कर मुक्त करने और 40 हजार तक के ब्याज में टीडीएस खत्म करने के कदम भी सराहनीय हैं। जीएसटी एवं अन्य कानूनों से नाराज व्यापारियों को भी सरकार ने अनेक घोषणाओं से खुश करने की कोशिश की है। सबके लिए खजाना का मुंह खोलते हुए भी अर्थव्यवस्था को संतुलित रखने का कौशल दिखाना संतोष का विषय है। राजकोषीय घाटे को 3.3 प्रतिशत तक सीमित रखना और अगले वित्त वर्ष के लिए 3.4 प्रतिशत का लक्ष्य रखना, चालू खाते का घाटा भी 2.5 प्रतिश्त तक सीमित रख पाना सरकार की सफलता है। बजट में भारत को विश्व का अग्रणी देश बनाने के लिए जो रूपरेखा दी गई है और उसके लिए जो दस आयाम घोषित हुआ है, वह इस अंतरिम बजट को एक बड़े विजन दस्तावेज में परिणत कर देता है। अगली सरकार जिसकी भी हो, यदि उसने इन आयामों पर काम किया तो यकीनन भारत समाज के सभी समूहों का मुख्यधारा में लाते हुए विकसित देश की कोटि में पहुंच सकता है।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता

100 रुपए

विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता

500 रुपए

साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त

आजीवन सदस्यता

2100 रुपए

संरक्षक सदस्यता

5100 रुपए

दलितों की दुर्दशा का जिम्मेदार कौन ?

'अपनी दुर्दशा के लिए दूसरों को उत्तरदायी ठहराने से यह पता चलता है कि व्यक्ति में सुधार की आवश्यकता है। स्वयं को दोषी ठहराने से यह पता चलता है कि सुधार आरंभ हो गया है। और किसी को भी दोषी नहीं ठहराने का अर्थ यह है कि सुधार पूर्ण हो चुका है।' मैं आपको कड़वा सच बताऊ तो इस सब दुर्दशा का सीधा जिम्मेदार बहुजन लोग खुद ही हैं। सारे संसार का इतिहास उठा कर देख लो कभी किसी कौम का, कभी किसी कौम की सत्ता आती-जाती रहती है, पर ऐसी क्या वजह है कि एक बात इनके हाथों से सत्ता छूटी तो बस आज तक नहीं आ पा रही है। इसकी दो वजह हैं-

1. न केवल परास्त किया बल्कि अपने कूटनीति और ज्ञान से ये सुनिश्चित् किया कि आगे ये लोग सर न उठा सके।

2. बहुजन लोग अमन के दिनों में संगठित होकर संघर्ष नहीं करते।

आप खुद अपने आपको एक न्यायकर्ता की जगह रखकर एक बहुजन और एक सवर्ण की हरकतों, आदतों और चाल-चलन का अध्ययन करके देखिये, आपको पता चल जायेगा कि सवर्ण चाहे सुखी हो या दु:खी, संघर्ष और संगठन जारी रखता है। परंतु बहुजन सुख में सब भूल जाता है। इस तथ्य का कई उदाहरण देकर भी यहां समझाया जा सकता है, पर वो इस विषय के संबंध में सम्मत न होगा। समझदार के लिए इशारा काफी है। अपने निजी जीवन के लिहाज़ से भी कहो तो मुझे दलितों से खासकर मेरे अपने रिश्तेदारों से कभी कोई लाभ नहीं हुआ, उल्टा कई मामलों में नुकसान ही मिला है। अगर किसी दलित ने मेरा साथ दिया तो वह वहीं है जिसे इन सारी बातों का अहसास है और वो संगठन के महत्व को समझता है।

अगर बाबा साहब की किताब 'आजादी के लिए धर्म परिवर्तन' एक दलित को दे दो, एक सवर्ण को दे दो तो सवर्ण न केवल इससे लाभ उठा लेगा बल्कि वो ज्ञान की दशा और दिशा का अंदाज़ा लगाकर इस साहित्य के दमन की सोचेगा। जबकि अपनी जिन्दगी जोखिम में डाल कर, जिनके लिए ये साहित्य लिखा गया है वो इसका कोई लाभ नहीं उठा पायेगा, ऐसा क्यों? इसकी मुख्य वजह केवल एक ही है 'कुछ दलितों का निकम्मापन।' दूसरे शब्दों में कहूं तो व्यक्तिगत्, सामाजिक और कूटनीतिक क्षमता का न होना।

किसी भी व्यक्ति या कौम की दुर्दशा होने की शुरुआत उसी क्षण से होती है जब वो तथ्यों या ज्ञान की बातों को 'नज़रअंदाज और अनसुना' करना शुरू करता है। आप खुद ये बात नोट करें कि जो ना कामयाब व्यक्ति होगा, वो ज्ञान की बात को पूरा सुनने से पहले ही ख़ारिज कर देगा, जबकि कामयाब आदमी हर बात को पहले सुनता है, सोचता है, फिर उसे अपनाता या ख़ारिज करता है। संसार में सब कुछ है, ये हम पर है कि हम क्या चुनते हैं, चुनाव के लिए ज्ञान होना जरूरी है, ज्ञान के लिए जानना जरूरी है और जानने के लिए धैर्य से सुनना और समझना जरूरी है, समझने के लिए ध्यान देना जरूरी है। सोचों कि स्कूल में एक से अध्यापक और शिक्षा के बावजूद कुछ कामयाब और कुछ ना कामयाब क्यों हो जाते हैं? जवाब वही है, ध्यान देना या न देना। **क्रमशः**

वैवाहिक

वर चाहिए

* बाँदीकुई निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भैण्डवाल, कुण्डारा, नगवाड़ी मो. 9414072525
* बाँदीकुई निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-नागरवाल, भैण्डवाल, जोनवाल, मो. 9414072525
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., जी.एन.एम., गौत्र-तलावलिया, बुहाडिया, मीमरोट, आकोदिया, गंगवाल, बथेड़ी, बधाला, कुण्डारा।
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, बड़ी माँ महर, मो. 8963617959
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, बड़ी माँ महर, मो. 8963617959
* अजमेर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नगवाडा, सिसोदिया, लालावत, लोड़तिया।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., गौत्र-गंगवाल, बंशीवाल, जीनवाल।
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, जीनवाल, सामने मिमरोट न हो।
* जयपुर निवासी (बलाई), 27 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, एम.कॉम, पिता-बैंक अधिकारी, गौत्र-Ranghera, Narnolia, Rewadia, Naharwal. मो. 9414296277
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., वर्तमान में प्राईवेट अध्यापक, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जारवाल, खोड़वाल, जोनवाल। मो. 9887732558
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.बी.बी.एस., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-उचैनिया, भीमवाल, रेवाडिया। मो. 9418173764
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, जीनवाल, सामने मीमरोठ ना हो। मो.-8104196500

वधू चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, पिता राजकीय सेवा, गौत्र नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, बड़ी माँ महर, मो. 8963617959
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., वर्तमान में सब इंस्पेक्टर (सी.आई.एस.एफ.), पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-धावनिया, बड़गोती, गोठवाल, टटवाड़ी, मो. 7073909291
* जयपुर निवासी, 40 वर्ष, (विधुर) शिक्षा-5वीँ पास, वर्तमान में ड्राईवर, गौत्र-सुलानियां, गौठवाल, कुण्डारा, टटवाड़ी।
* दौसा निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., वर्तमान में सरकारी अध्यापक, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बेण्डवाल, नागरवाल, जोरवाल, जारवाल, सामने लोदवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बीसीए, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-देवतवाल, जारवाल, भहरवाल, मो.-9950714872
* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था.... (पृष्ठ 1 का शेष)

स्मारिका विमोचन समारोह में नव निर्वाचित विधायक प्रशान्त बैरवा का साफा व माला पहनाकर स्वागत करते बैरवा समाज बन्धु।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री दीपचन्द बैरवा अध्यक्ष बैरवा छात्रावास जयपुर, श्री महेन्द्र कुमार बैरवा ए.सी.ई., श्री ओमप्रकाश बैरवा निदेशक सांख्यिकी विभाग, श्री सी.एल. वर्मा आई.आर.ए.एस., श्री रामस्वरूप बैरवा अधिक्षण अभियन्ता, श्री पंकज कुमार धावनिया अध्यक्ष सचिवालय कर्मचारी संघ, श्री केशरीलाल बैरवा जिलाध्यक्ष प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था बांरा, श्री अमित कुमार बैरवा, संजय बैरवा, पं. लादूराम बैरवा, पं. भवानी शंकर गोठवाल, चित्तौड़ से पधारे श्री प्यारे लाल बैरवा, श्री सोहन लाल बैरवा, रामेश्वर लाल बैरवा सहित समाज के गणमान्य समाज बन्धु उपस्थित थे।

इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी श्री महेश धावनिया, राजेश कुमार शास्त्री, मांगी लाल बैरवा, राजकुमार कुवाल, भरत बैरवा, हर्ष बैरवा, कविराज रामलाल बैरवा, नवल कुमार बैरवा, महेन्द्र कुमार बैरवा, नरसी कुमार बैरवा, राजाराम बैरवा, ज्ञान चन्द बैरवा, प्रभूदयाल बैरवा, नन्दलाल बैरवा, प्रहलाद कुमार बैरवा, सीताराम बैरवा, सी.एल. प्रेमी, मदनलाल बैरवा, जगदीश प्रसाद, रामनिवास बैरवा, रामअवतार बैरवा इत्यादि ने मुख्य अतिथि श्री प्रशान्त बैरवा का विधायक बनने पर साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया।

स्मारिका विमोचन कार्यक्रम के साथ ही प्रतिभावान छात्रा-छात्राओं का एवं समाज के भामाशाहों का स्मृति चिन्ह व माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में लगभग तीन हजार बन्धुओं ने पौष बड़ा प्रसादी का आनन्द लिया। समारोह में राजस्थान के प्रसिद्ध नृत्यांगना कोकीला परमार के नेतृत्व में 15 महिला कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। मंच का संचालन श्री सुरेन्द्र दीपक एवं श्री सतीश कुमार ने किया।

नोट- परिचय स्मारिका संस्था कार्यालय: सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 से प्राप्त कर सकते हैं।

मांगों को लेकर मुख्यमंत्री.... (पृष्ठ 1 का शेष)

लागू करने पर आदेश को निरस्त कराने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने शिष्टमंडल में शामिल अध्यक्ष डॉ. भजनलाल, महासचिव अनिल कुमार गोठवाल, व. उपाध्यक्ष बीएल बैरवा, संयुक्त सचिव चंद्र प्रकाश बैरवा, कार्यकारिणी सदस्य हेमराज टाटीवाल एवं अशोक सामरिया आदि से सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

कहाँ लेकर जायेगी यह कुण्ठा भारत के ज्ञान-विज्ञान को ?

विज्ञान और मोबाइल के इस युग में ज्ञान-विज्ञान की चर्चा होना स्वभाविक है, लेकिन आश्चर्य तब होता है जब इस चर्चा में ऐसे लोग कूद पड़ते हैं जिनका इस क्षेत्र से दूर-दूर तक का कोई नाता नहीं रहता और ज्ञान-विज्ञान को तोड़-मरोड़ कर पेश करते है। इनके कारण भारत को बड़ी फजीहत झेलनी पड़ रही है। वर्तमान में प्राचीन भारत की कुछ 'खोजों' के कारण चर्चा का बाजार गर्म है। ये है:-

1. वेदों में सब प्रकार का ज्ञान-विज्ञान समाया हुआ है, 2. भारत की विमान-विद्या बहुत उन्नत थी, रावण के पास 24 तरह के विमान थे, पुष्पक भी उनमें से एक था, प्राचीन भारतीय ऋषि-मुनि विमानों में सफर करते थे, यहाँ 7000 साल पहले ही विमान बनने लग गये थे, जिनमें 24 इंजन तक होते थे, 3. लाखों वर्षों पूर्व ही भारत के विज्ञान ने बता दिया था कि विभिन्न ग्रहों-नक्षत्रों के बीच की दूरी क्या है ?

4. कौरव टेस्ट-ट्यूब बेबी थे, गणेश के धड़ पर हाथी का सिर बेहतरीन शल्य चिकित्सा का उदाहरण है,

5. राम-रावण युद्ध में गाइडेड मिसाइलें काम ली गई थीं, 6. आयुर्वेद में कैंसर जैसी घातक बीमारियों का इलाज है।

आगे लिखने से पूर्व एक बात मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि एक सच्चे भारतीय की भांति मुझे अपने देश पर गर्व है और इसकी उपलब्धियों पर भी गर्व है, लेकिन कोई इनकी आड़ में किसी दूसरे की उपलब्धियों को अपना बताये या गलत प्रचार करे तो उसे मैं अनुचित मानता हूँ और इंजीनियरिंग में अध्यापन से जुड़ा होने के कारण इस प्रकार के दुष्प्रचार का विरोध करना अपना नैतिक कर्तव्य मानता हूँ।

उपरोक्त प्रकार की बातें जब हम इधर-उधर के बजाय सम्मानित मंचों और विश्व में अपना स्थान रखने वाली संस्थाओं के मंचों से सुनते हैं तो आश्चर्यमिश्रित दुख होता है और सोचने को मजबूर होते हैं कि एक विशिष्ठ लॉबी जो यह कार्य कर रही है, वह क्यों भारत की वास्तविक उपलब्धियों को भी धूल-धूसरित करने में लगी हुई है, ईमानदारी से जो हमने खोजा, उसी पर गर्व और आगे की दिशा में खोज क्यों नहीं जारी रखती ?

जब हम अविष्कारों की लिस्ट पर नजर डालते हैं तो भारत के खाते में मात्र ज़ीरो, दशमलव, लोह स्तम्भ और कुछ रासायनिक विधियां ही मिलती हैं, बाकी सुई से लेकर हवाई जहाज तक के अविष्कार विदेशियों के खाते में मिलते हैं। हम भारतीय लोग व्यर्थ में ही गाल बजाते रहते है कि हम विश्वगुरु थे, हम यह थे वो थे। जिन गिने-चुने भारतीयों को नोबेल पुरुस्कार मिला है वे भी आधुनिक शिक्षा पद्धति द्वारा ही पढ़े हुए हैं न कि किसी गुरुकुल प्रणाली द्वारा। अब एक नजर उपरोक्त बिन्दुओं के खण्डन पर डाल लेते हैं।

1. वेदों का गहन अध्ययन कर बाबा साहेब ने ग्रन्थ लिखे, जो सम्पूर्ण वांग्मय के खण्ड 6 से 9 में प्रकाशित हुए हैं। उनके अनुसार-वेद बेकार की रचनायें हैं, उन्हें पवित्र या संदेह से परे बताने में कोई तुक नहीं है। ब्राह्मणों ने इन्हें पवित्र और सन्देहातीत बना दिया, केवल इसलिये कि इसमें पुरुषसूक्त के नाम से एक क्षेपक जोड़ दिया गया, इससे वेदों में ब्राह्मण को भूदेव बना दिया। कोई यह पूछने का साहस नहीं करता कि जिन पुस्तकों में कबीलाई देवताओं से प्रार्थना की गई है कि वे शत्रु का नाश कर दें, उनकी सम्पत्ति लूट लें और अपने अनुयायियों में बांट दें, कैसे संदेहातीत हो गई ?

(बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर सम्पूर्ण वांग्मय, खण्ड-8 पृष्ठ 16)

इसके अलावा वेदों में ज्ञान-विज्ञान मान भी लें तो इतना ज्ञान-विज्ञान होते हुए भारत हजारों वर्षों तक विदेशियों का गुलाम क्यों रहा ? शक, हूण, कुषाण, यूनानी, मुस्लिम, पुर्तगाली, डच और अंग्रेज-सभी आक्रमणकारियों के समय वैदिक ज्ञान कहाँ लुप्त हो गया था ? इन विदेशी ताकतों के आक्रमण के समय भुशुण्डी (बन्दूक), शतघ्नी (तोप), नागपाश, आग्नेयास्त्र, वायवास्त्र, पशुपतिअस्त्र, नारायणास्त्र और ब्रह्मास्त्र कहाँ चले गये थे ? आखिर क्यों भारतीय हार पर हार का सामना करने को विवश हुए और विदेशियों के गुलाम बने ? आज भी वे उक्त 'वैदिक तकनीकों' द्वारा भारतीय सेना को (जो विदेशो से महंगे अस्त्र-शस्त्र खरीदने को मजबूर है) स्वदेशी अस्त्र-शस्त्र बना कर देने के लिये किसी मुहूर्त का इन्तजार कर रहे हैं क्या ?

वेदों के बारे में जब किसी पण्डित या आर्यसमाजी सज्जन से बात करते हैं तो बहुत ही विचित्र तर्क सुनने को मिलता है कि असली वेदों को तो कोई राक्षस पाताल लोक ले गया या गायब करवा दिये गये। अभी जो मौजूद हैं वे तो नकली वेद हैं।

धन्य है प्रभु ! असली का पता नहीं और जो मौजूद हैं उनको नकली बताते हैं। यह सोचने की बात है कि जिसने आलोचना की है उसने भी तो नकली ही वेद पढ़े होंगे। फिर आलोचना मानने में हर्जा क्या है ?

2. भारत की विमान विद्या की बात लेते हैं। रावण के पास इतने विमान थे तो जो सर्वोत्तम विमान था उसी की तकनीक से राफेल जैसा कोई विमान बना लेते ताकि विदेशी कर्जा भी न होता और इतना हो-हल्ला भी न होता। विद्वान पाठक सोच सकते है कि चार इंजन वाला विमान अच्छा होगा कि 24 इंजन वाला।

कई लोग, जो कि उक्त बातों के समर्थक हैं, वे कहते हैं कि समय के साथ ये सब चीजें लुप्त हो गई। लेकिन उनकी बात में दम नहीं है। कारण कि एक तो भारतीय सभ्यता कभी लुप्त नहीं हुई। सदैव फलती-फूलती रही, निरन्तर जारी रही। अत: कोई चीज लुप्त कैसे होगी ? और यदि कोई वस्तु समय के साथ अनुपयोगी होने से लुप्त होती भी है तो उसका विकल्प पहले सामने आता है। मेरे बालपन में मैंने लोगों को लोहे के टुकड़े और चकमक पत्थर से आग उत्पन्न कर सूत की डोरी जलाकर बीड़ी सुलगाते देखा था। लोहे के टुकड़े को वे चारों अंगुलियों में फँसा लेते थे और चकमक पत्थर के रगड़ते थे, पास में सूत की डोरी रहती थी जो आग पकड़ लेती थी। बीड़ी सुलगाने के वे बाद डोरी को जमीन पर रगड़ कर बुझा देते थे और लोहे की नली में खींचकर डोरी से बांधकर जेब में रख लेते थे। माचिस, केरोसीन लाईटर, गैस लाईटर आदि के चलन से यह विधि समाप्त हो गई।

कुछ साल पहले तक तरह-तरह के स्कूटर चला करते थे, लेकिन आज लगभग सभी जगह पर बिना गियर के स्कूटर या मोटर साइकिलें चलती हैं। इनके समाप्त होने का कारण यही है कि बेहतर विकल्प आ गये।

तो फिर 24 तरह के विमानों और तरह-तरह के अस्त्र-शस्त्रों के विकल्प कहाँ हैं ? जो भी हैं वे तो विदेशी ज्ञान पर आधारित हैं।

3. दो हजार के नोट पर मंगलयान का फोटो है और भारत मंगल तथा अन्य ग्रहों पर अपने यान भेजने को इच्छुक है। ऐसे में वैदिक ज्ञान की सहायता लेना लाभप्रद होगा, ऐसे यान तो उस युग में मौजूद थे ही ! अत: क्यों अधिक धनराशि खर्च की जाये और विदेशी तकनीक काम ली जाये ?

4. अगर टेस्ट-ट्यूब बेबी महाभारत काल में उत्पन्न होने लग गये थे तो यह तकनीक आगे क्यों खत्म हो गई ? कितने ही राजा-महाराजा नि:संतान और बिना वारिस ही मर गये और कितनों के राजपाट मुगलों या अंग्रेजों ने हड़प लिये। क्यों नहीं टेस्ट-ट्यूब बेबी से वारिस पैदा किया ? झाँसी का उदाहरण सामने है जिसके दत्तक पुत्र को अंग्रेजों ने नहीं माना और उस पर कब्जा कर लिया था।

विज्ञान की खोजें निरन्तर जारी हैं। हो सकता है कि भविष्य में सिर का प्रत्यारोपण हो जाये, लेकिन आज तक ज्ञात खोजों के अनुसार यह तकनीक संभव नहीं हो पाई है कि आदमी का सिर आदमी के जोड़ा जा सके। फिर हाथी का या बकरे का सिर (शंकरजी ने ही अपने श्वसुर दक्ष प्रजापति के धड़ पर बकरे का सिर जोड़ा था) आदमी के जोड़ा जाना तो बहुत दूर की कौड़ी है। दूसरी तकनीकी समस्या यह है कि एक पैदा होते हुए हाथी का सिर भी आदमी के धड़ के नाप से कई गुना बड़ा होता है अत: यह संभव नहीं है। तीसरे, क्या ब्लड-ग्रुप और धमनियों-शिराओं आदि के जोड़ने की समस्या तब नहीं रही होगी ? फिर सत्य तो त्रिकाल सत्य होता है जो कल भी सत्य था, आज भी है और कल भी सत्य ही रहेगा। अगर यह तकनीक मौजूद थी तो महाभारत में रोज ही हजारों योद्धा मारे जाते थे। क्यों नहीं किसी का सिर दूसरे के धड़ के साथ जोड़ कर कुछेक को तो बचा लिया जाता ? आगे के युद्धों में भी यह काम आ सकती थी। आज भी दुर्घटनाओं में किसी का सिर क्षतिग्रस्त होता है तो किसी का धड़। क्यों नहीं दोनों जोड़ कर किसी एक को तो जीवनदान दे दिया जाये ?

5. जब हम हथियारों के मामले में हजारों साल पहले ही इतने आत्मनिर्भर थे तो आज बिलकुल नवोदित देश अमेरिका पर क्यों निर्भर हैं ? हमें तो हथियार मंगवाने के स्थान पर दुनियाभर को 'गाईडेड मिसाइलें' निर्यात करनी चाहिये थी।

6. निश्चित रूप से आयुर्वेद एक अच्छी चिकित्सा प्रणाली है जिसमें अनेक बीमारियों का अच्छा इलाज है। परन्तु कैंसर का सटीक इलाज इसमें नहीं है। केवल कहने भर की बातें हैं।

अत: हम सभी को नीर-क्षीर विवेक को अपनाते हुए सत्य को स्वीकार करना चाहिये और जो जिसकी खोज है, उसे उसकी ही मानने में परहेज नहीं करना चाहिये, साथ ही अपनी ज्ञानवृद्धि भी करते रहना चाहिय और कोशिश करनी चाहिये कि हम विदेशियों से भी आगे निकलें, पर ईमानदारी से, चोरी या छल-कपट से नहीं।

-श्याम सुन्दर बैरवा, भीलवाड़ा
8764122431

जाति, धर्म व राष्ट्रवाद...

(पृष्ठ 1 का शेष)

गणतंत्र दिवस समारोह व जाति, धर्म व राष्ट्रवाद विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रताप नगर सांगानेर में व्यक्त किए। कार्यक्रम में समाजसेवी व व्यवसायी हाजी उस्मान खान को संस्था संरक्षक बनने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था कोषाध्यक्ष रामावतार नागरवाल, माला सिंह कुंद्रा, संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट दौलतराम माल्या, सचिव रविन्द्र कुमार पुलकित, प्रधान मुख्य संरक्षक अब्दुल सलाम जौहर, नवदीप सिंह, मुख्य वक्ता उदय चंद बारूपाल, विशिष्ट अतिथि अपर जिला व सेशन न्यायाधीश नीरजा दाधीच, उदयराज सिंह, सुरेंद्र सिंह नारोलिया, पूजा सुमन, सेवानिवृत्त आईपीएस केएल बैरवा आदि उपस्थित थे।

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से तृतीय बैरवा युवक-युवति परिचय स्मारिका का विमोचन समारोह की झलकियाँ

समारोह के दौरान निवाई विधायक श्री प्रशान्त बैरवा एवं महेश धावनिया द्वारा राहुल बैरवा के अगामी सात सम्मिट (सर्वोच्च शिखर हर महादीप का) अभियान के लिए शुभकामनाएं एवं भारतीय झण्डा प्रदान करते हुए।

समारोह नृत्यांगना कोकीला परमार के नेतृत्व में रंगारंग प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक प्रशान्त बैरवा की आगवानी करते महेश धावनिया, रामसिंह बैरवा, पंकज धावनिया, रामस्वरूप बैरवा एवं सी.एल. वर्मा।

संस्था के संरक्षक महेन्द्र कुमार बैरवा द्वारा कार्यक्रम में सफल मंच संचालन करने पर सुरेन्द्र दीपक व सतीश कुमार को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए।

समारोह में चित्तौड़ से पधारे बैरवा समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी प्यारे लाल बैरवा, रामेश्वरलाल, सोहनलाल बैरवा द्वारा संस्था अध्यक्ष महेश धावनिया का सफल आयोजन पर बधाई दी।

समारोह में प्रतिभावान छात्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते महेश धावनिया, सी.एल. बैरवा, रामस्वरूप बैरवा, राजेन्द्र बैरवा व अन्य पदाधिकारीगण।

जय भीम में दिखी अंबेडकर जीवनी

जय भीम नाटक कार्यक्रम में रमा का किरदार निभाने पर अनामिका कण्डेरा का समाजसेवी श्री चन्द्रशेखर द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते साथ में प्रेमचन्द कण्डेरा।

जयपुर। कण्डेरा मीडिया मूवी थियेटर संस्थान की ओर से गत दिनों रविन्द्र मंच के मुख्य सभागार में प्रेमचंद कण्डेरा द्वारा लिखित/निर्देशित नाटक जय भीम का मंचन किया गया। नाटक की कहानी डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर आधारित है, जिनका जन्म 1891 में मउ छावनी में हुआ। अंबेडकर की जीवनी को नाटक के जरिए दर्शकों के सामने बेहतरीन तरीके से पेश किया। इसमें शालिनी कण्डेरा, अनामिका कण्डेरा, लालाराम शेरावत, चेतनप्रकाश महावर, विनय बिंदल सहित कई अन्य कलाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीता।

नरसी कुमार बैरवा को एशियन एक्सीलेंस अवार्ड-2019 से सम्मानित

जयपुर। 1 फरवरी, 2019 को संगठन एन्टी क्रपश्यन फाउण्डेशन इंडिया व हुमन राईट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से करनाल, हरियाणा में एक निजी होटल में एशियन एक्सीलेंस अवार्ड-2019 से नरसी कुमार बैरवा (समाज सेवी) को अवार्ड से नवाजा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेता श्री अवतार गिल, अतिथि बॉलीवाड़ मि. इंडिया-2013 रिजरन डिनज आहुजा, विजय पाल सिंह, एम.डी. अभिषेक बच्चन मुम्बई व राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र अरोड़ा आदि देश-विदेश से आये हुए अतिथिगण मौजूद थे।

Goldan Era Academy

ब्रांच मालवीय नगर जयपुर स्कूल में दौड़ प्रतियोगिता में उत्कर्ष पुत्र मनोज मेहरा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सर्दी-जुकाम ही नहीं पेट की तकलीफ में भी कारगर है अजवाइन

पेट की सेहत सुधारे अजवाइन

अपने एंटी ऑक्सिडेंट और एंटी बैक्टीरियल गुणों के कारण अजवाइन गैस बनने, पेट दर्द, सर्दी-जुकाम जैसी तकलीफों के इलाज के लिए हर घर में इस्तेमाल की जाने वाली एक कारगर जड़ी-बूटी है। इसके घरेलू उपायों के बारे में-

पाचन क्रिया रहे दुरुस्त

पाचन प्रक्रिया को ठीक रखने के लिए

अजवाइन और हरड़ को बराबर मात्रा में पीस लें। हींग और सेंधा नमक स्वादानुसार मिलाकर चूर्ण बना कर किसी बोतल में भर लें। इस चूर्ण का एक चम्मच गर्म पानी के साथ लें। 10 ग्राम पुदीने का चूर्ण, 10 ग्राम अजवाइन और 10 ग्राम कपूर एक साफ बोतल में डालकर धूप में रखें। तीनों चीजें गलकर पानी बन जाएंगी। इसकी 5-7 बूंदें बताशे के साथ खाने से मरोड़, पेट दर्द, जी मिचलाने जैसी समस्या में लाभ होगा।

जब हों कब्ज के शिकार

कब्ज होने पर 10 ग्राम अजवायन, 10 ग्राम त्रिफला और 10 ग्राम सेंधा नमक मिलाकर पीसकर चूर्ण बना लें। रोजाना इसमें से 3 से 5 ग्राम चूर्ण गुनगुने पानी के साथ लें, बहुत जल्द ही आराम होगा।

पेट में गड़बड़ी होने पर

अपच होने पर एक कप पानी में एक चम्मच अजवाइन के बीज उबालें। थोड़ा ठंडा होने पर पिएं। एक ग्राम अजवाइन में एक चुटकी नमक मिलाकर चबा-चबा कर खाने से पेट में बनी गैस से होने वाले पेट दर्द में आराम मिलता है। तीन चम्मच अजवाइन के बीजों में नीबू का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाएं। इस मिश्रण को गुनगुने पानी के साथ दिन में दो बार खाएं। आधा लीटर पानी में एक-एक चम्मच अजवाइन और सौंफ के बीज डाल कर धीमी आंच पर पकाएं। ठंडा होने के बाद भोजन के बाद हर रोज पिएं।

राष्ट्रीय मानव अधिकार संरक्षण संस्थान कार्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया

जयपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार संरक्षण संस्थान की ओर से छोटी चौपड़, चीनी की बुर्ज स्थित जिला कार्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया हाजी अब्दुल रशीद खान व जस्टिस आरके आकोडिया ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में विजयपाल रस्तोगी, कुलदीप नामा, संजय चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

श्री बाबा समाचार पत्र के विशिष्ठ सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

मोहन लाल बैरवा
गलता गेट, जयपुर

प्रेम कुमार नागर
जयपुर

भीम सिंह बैरवा
कुंजेला, करौली

बोबास रेलवे स्टेशन पर डेमू ट्रेन का होगा ठहराव

बोबास गौशाला में चारा भंडारण का केंद्रीय मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह ने किया लोकार्पण

बोबास, जयपुर। देश के विकास के लिए गांवों का विकास होना जरूरी है। जब तक गांव व ढाणी का विकास नहीं होगा, तब तक देश आगे नहीं बढ़ेगा। यह बात रविवार को ग्राम बोबास में गो शाला में सांसद कोष से बने चारा भंडारण के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण व खेल मंत्री एवं जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कही। कर्नल राठौड़ ने कहा कि जयपुर ग्रामीण संसदीय क्षेत्र के झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 1327 किमी सड़क निर्माण कार्य, 800 करोड़ रुपए बिजली के लिए, 70 करोड़ रुपए पेयजल, 530 करोड़ रुपए शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए लगे हैं। युवाओं के लिए खेल मैदान, सेना भर्ती भी हुई है। राठौड़ ने केंद्र सरकार की उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। समारोह की अध्यक्षता दूदू प्रधान संतोष कड़वा ने की तथा विशिष्ट अतिथि जिला पार्षद संतोष निठारवाल, पंचायत समिति सदस्य सुमन कुमावत, पूर्व प्रधान रामेश्वर कड़वा, गो शाला अध्यक्ष व पूर्व सरपंच फूलचंद कुमावत, श्रवण यादव, गोपाल लाल, गणेश खोखर, मदनलाल, ओपी स्वामी, महेंद्र, भाजपा मंडल दूदू महामंत्री रामनारायण खारोल, दिनेश शर्मा बोराज, बोराज सरपंच प्रेमचंद टेलर, रामनारायण निठारवाल, चेतराम कुमावत, सुरेश बागड़ा, कमलेश कुमार कुमावत, भूतपूर्व सरपंच शैतान सिंह, एडवोकेट रामप्रसाद यादव, रमेश कुमावत, रमेश कुमावत (चन्दपुरा), बजरंग लाल कुमावत, मांगी लाल कुमावत, पवन कोटिया (शुभम स्टूडियो, बोबास) सहित कई गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित थे। इस मौके पर ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि व अतिथियों को साफा बंधवाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

बोबास रेलवे स्टेशन पर ठहराव की घोषणा

केंद्रीय मंत्री एवं जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने ग्रामीणों की मांग पर बोबास रेलवे स्टेशन पर पिछले दिनों जयपुर से अजमेर के बीच चली डेमो ट्रेन की बोबास रेलवे स्टेशन पर ठहराव की घोषणा की है।

करौली-धौलपुर लोकसभा क्षेत्र के भावी व जनप्रिय दावेदार

श्री रामधन बैरवा

(उपाचार्य से.नि.)

ग्राम पूरणपुरा, तहसील सपोटरा, करौली (राज.)

मौ. 9636001945, 9664393382

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com